# सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

वर्ष : 8
अंक : 92
सितम्बर : 2017

Visit us at : www.pdgroup.in


## इस अंक में...


8 | आत्मानुशासन और आत्मसंयम से सृजित होता चरित्र महान्

10 | समसामयिकी घटना संग्रह

11 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

17 | आर्थिक घटना संग्रह

- केन्द्र सरकार ने निर्यात अवसंरचना योजनाओं को मंजूरी प्रदान की
- रिलायंस जियो ने भारत का पहला 4जी फीचर फोन लॉन्च किया
- भारत की पहली सौर ऊर्जा से चलने वाली ट्रेन लॉन्च

21 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- माटुंगा भारत का पहला महिला संचालित रेलवे स्टेशन बना
- उत्तर प्रदेश में 'आओ अंग्रेजी सीखें' कार्यक्रम का शुभारम्भ
- रामनाथ कोविंद भारत के 14वें राष्ट्रपति निर्वाचित हुए
- भारत ने खुद को बर्ड फ्लू से मुक्त घोषित किया

25 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- जी-20 का 12वाँ शिखर सम्मेलन हैम्बर्ग में सम्पन्न
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक इजरायल यात्रा
- ब्रिक्स के स्वास्थ्य मंत्रियों की 7वीं बैठक
- भारत आतंकवाद से प्रभावित तीसरा सबसे बड़ा देश

29 | खेल खिलाड़ी

- इंगलैण्ड ने जीता महिला वर्ल्ड कप 2017 का खिताब
- फीफा रैंकिंग में भारत 96वें स्थान पर
- ताइपे ओपन ग्रैंड प्रिक्स गोल्ड बैडमिंटन प्रतियोगिता 2017 सम्पन्न

34 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह


## लेख


38 | सामाजिक लेख—जाति प्रथा का प्रजातंत्रीकरण

40 | सामयिक लेख—स्थायी समाधान नहीं है कर्जमाफी

41 | कैरियर लेख—नियमित कॉलेज नहीं, तो पत्राचार से पढ़ें

87 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता

88 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-89 का परिणाम

89 | रोजगार अवसर


## हल प्रश्न-पत्र


42 | रेलवे भर्ती बोर्ड गैर-तकनीकी (एनटीपीसी) परीक्षा, 2016

50 | मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक (जनरल ड्यूटी) भर्ती परीक्षा, 2016

56 | उत्तराखण्ड समूह 'ग' (प्रयोगशाला सहायक) परीक्षा, 2017

कर्मचारी राज्य बीमा निगम अपर डिवीजन क्लर्क परीक्षा, 2016

60 | सामान्य जागरूकता

62 | सामान्य बुद्धिमता

66 | English Language

70 | उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2016 (प्रथम प्रश्न-पत्र : कक्षा I से V तक)

80 | एस.एस.सी. कम्बाइंड हायर सेकण्डरी लेवल (10+2) परीक्षा, 2016



सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सक्सेस मिरर' की नहीं है.



➲ सम्पादक : महेन्द्र जैन
➲ रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ सम्पादकीय ऑफिस
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in

➲ दिल्ली ऑफिस
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66

➲ पटना ऑफिस
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना– 800 004
फोन– 0612-2673340
मो– 09334137572

➲ कोलकाता ऑफिस
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर,
कोलकाता– 700 003 (W.B.)
मो– 07439359515

➲ हैदराबाद ऑफिस
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा आर. टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036
(तेलंगाना) मो– 9391487283

➲ हल्द्वानी ऑफिस
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो– 07060421008

➲ इन्दौर
30-31, जिन्सी हाट मैदान,
बाबा रामदेव मंदिर के निकट
मलहारगंज
इन्दौर– 452 002 (म.प्र.)
फोन– 9203908088

➲ लखनऊ ऑफिस
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

➲ नागपुर ऑफिस
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान मन्दिर के सामने,
नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
फोन– 0712-6564222
मो– 09370877776

# आत्मानुशासन और आत्मसंयम से सृजित होता चरित्र महान्

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

> "By Constant, Self-Discipline and Self-Control you can develop Greatness of character."
>
> —**Grenville Kleiser**

यदि कोई अन्य हमें टकोरे तो हमें शायद अच्छा लगे अथवा न लगे, किन्तु हम स्वयं ही सचेत हो जाएं तो कितना अच्छा रहे. हम सभी में कुछ न कुछ कर गुज़रने की तमन्ना तो है ही, इसके लिए हम प्रयास भी करते रहते हैं, किन्तु जहाँ कहीं हमारी तत्परता में कमी आती है, हम असफल हो जाते हैं अथवा जब कभी हम अनुशासित नहीं रह पाते, स्वच्छंदी बन जाते हैं, मनमानी करने लगते हैं, हम असफल हो जाते हैं.

आज तक जितने भी श्रेष्ठ लोग, महापुरुष हुए हैं, उन सबमें यह विशेषता थी कि वे अपने आपको संयमित रखना जानते थे. वे स्वयं अनुशासित जीवन जीते थे. यहाँ तक कि हिटलर जैसे शासक भी एक पल के लिए भी अपनी प्रतिबद्धताओं से जुदा नहीं होते थे. उन्हें अपने हर क्षण का मूल्य ज्ञात था. न तो वे अपने समय को व्यर्थ करते, न ही किसी अन्य का. जो इंसान समय की कीमत करता है, वह संयमी होता ही है. उसे अनुशासन से जीना आता है. समय की कीमत का ज्ञान जिसे है, उसे भला किसी अन्य के उपदेश की क्या आवश्यकता है ?

आज के युग में अभिभावकों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि उनके बच्चे उनकी सुनते नहीं हैं. वे अपनी मनमर्जी करना चाहते हैं, इसके लिए चाहे कुछ भी करना पड़े. ऐसे में माँ-बाप स्वयं को असहाय महसूस करने लगते हैं. वे अपने बच्चों को संयम व अनुशासन का पाठ पढ़ाते रहते हैं व बच्चे उनको खपती समझते रहते हैं. उन्हें दकियानूस मानते हैं. वे युवा होते-होते अपनी यौवन ऊर्जा को ही खो चुके होते हैं. उन सबको ऐसा लगता है कि 'ज़िंदगी ना मिलेगी दोबारा' इसीलिए सारे ऐश-मौज अभी कर लो. वे मौसमी फूलों के आकर्षण में अपने भीतर की चेतना पुष्पित होने की सम्भावनाओं को ही कुचल डालते हैं. ऐसे में उन्हें कौन समझाए ?

युग की आंधियों ने झकझोरा है युवा पुष्पों को
खिलने से पहले मुरझा रहे इन उपवनों को
कौन बोधि दे जब सुनते नहीं वे माँ-बाप को
भगवान् भरोसे नैय्या इनकी, बुर्जुग कहते
निःश्वास हो ॥

हम सबको यदि अपने देश को जाति को, कुल को गौरवमयी बनाना है, अपनी भावी पीढ़ी को विनाश के मुख में जाने से रोकना है तो स्वयं को संयम का पाठ सीखना ही होगा.

**संयम कहाँ से आता है ?**

इस प्रश्न का जवाब ढूँढ़ने से पहले हम क्यों न यह जान लें वह कौन है, जो हमें असंयमित कर रहा है ?

हमारा अपना मन ही है, वह उपकरण जो हमें संयम व असंयममय बनाता है.